10388 | 10096 | 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. | Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

निबंधन नियम 21 के अधीन और ... धारा 8६(9) के अधीन ... 23 ... 68 & 69 ... 11-05

तहत वर्णित जमीन का मूल्य मार्गदर्शिका के अनुसार निर्धारित न्यूनतम मूल्य से कम नहीं है।

अपर समाहर्ता, धनबाद के ज्ञापांक 4152 दिनांक 8/9/05 के अनुसार अनापत्ति आदेश प्राप्त।

ता० 11-11-05

निबंधन पदाधिकारी

11.11.05

Feepaid.
A(1) 1200.00
M(1) 54.00
1254.00
Salami 2.50
Pfee 0.94
3.44
1257.44.

11/11/05

:-बिक्रय-पत्र केवाला दस्तावेज-:

केवाला दाता:-श्री सुजीत कुमार लाला, पिता स्व0 जामिनी भूषण लाला, जाति-कायस्थ, पेशा-व्यवसाय-आदि, साकिम-लुबी सर्कुलर रोड, हीरापुर धनबाद, थाना एवं जिला-धनबाद ३भारतीय३ के तरफ से आम-मोखतार श्री शुभनाथ राय, पिता स्व0 भोलानाथ राय, जाति-ब्राह्मण, पेशा-व्यवसाय, साकिम-सरायढेला, थाना-धनबाद, हाल-थाना-सरायढेला, जिला-धनबाद, जिसका आम-मोखतार संख्या-३IV३ 505, दिनांक-9-8-05, साल को निबंधन कार्यालय-गिरीडीह से निबंधीत हुआ है।

001566/05

1704/05-06
Shailendra Prasad Roy,
Katras Bazar Pd - Katras

5000/- (5000 x 1)
30/9/05

11.11.05

पंजी सं. 5052/05 (...)

Shivnarayan Roy
11.11.05

सदर जिला अवर निबंधक
धनबाद

11.11.05

शुभमणि राय

दिनेश प्र. साव
गरीब राम साव

328
V 58/05

Shivnarayan Roy
11-11-05

निबंधन पदाधिकारी
धनबाद
11.11.05

Shuvaraty
11.11.05

केवाला ग्रहितागण-1-श्री शैलेन्द्र प्रसाद राय 2-श्री शैलेश प्रसाद सिंह, पिता स्व० सत्यदेव सिंह, जाति-भूमिहार, पेशा-व्यवसाय-आदि साकिम-कतरास बजार पो०-कतरास, थाना-कतरास जिला-धनबाद ‡भारतीय‡

बिक्रय-पत्र ‡ केवाला दस्तावेज ‡

मूल्य:-1,20,000/-रूपये ‡ एक लाख बीस हजार रूपये ‡ मात्र,
सलाना मालगुजारी-12 पैसा, अंचल कार्यालय-धनबाद
मालिक जमींदार-झारखण्ड सरकार, धनबाद।

बिबरण जायदाद-जिला चौकी अवर निबंधन कार्यालय धनबाद, थाना-धनबाद हाल-थाना-सरायढेला अन्तर्गत "आमाघाटा उर्फ तुगियाडीह" मौजा में कायमी रैयती स्वत्व की जायदाद, मौजा नं०-09 खाता नं०-07 ‡ सात ‡ सामिल प्लोट नं०-131 ‡ एक सौ एकतीस ‡ रकबा 06 कट्ठा ‡ छ: कट्ठा ‡यानि 9.90 डिसमिल जमीन ईस दस्तावेज द्वारा आपलोगो को बिक्री किया, जो दिये गये नक्शा मे लाल रंग से दिखाया गया है।

जिसका चौहद्दी-उत्तर-श्रीमती मिनु शर्मा,
दक्षिण :- ग्रामिण रास्ता,
पुरब :- ईसी प्लोट का अंश,
पश्चिम:- 18 फीट चौड़ा प्रस्तावित रास्ता।

उक्त बिबरण मे दिये गये जायदाद बिगत अंग्रेजी सन् तारिख-31-8-1962 ई० का केवाला दस्तावेज संख्या-11817 द्वारा धनबाद निबंधन कार्यालय का निबंधीत किया हुआ रतन महतो से जामिनी भूषण लाल एंव सत्येन्द्र नाथ भट्टाचार्य के नाम से

Shwaraktoj
11.11.05

खरीदा जमीन है, उक्त जामिनी भूषण लाल एंव सत्येन्द्र नाथ भट्टाचार्य ने आपसी बटवारा किया जो बटवारा मे उपरोक्त बिबरण मे दिये गये जायदाद को जामिनी भूषण लाला को प्राप्त हुआ, और जामिनी भूषण लाला के मरने के बाद उनका एक मात्र पूत्र वारीश से प्राप्त कर भोग दखल करते आ रहा हुँ, जिसका सलाना मालगुजारी अंचल कार्यालय धनबाद मे जमाबन्दी नं0-115 के तहत वसुल होता है, एंव उक्त बिक्रीत जायदाद मेरा अपना अंश का है।

उक्त जमीन हस्तान्तरण हेतु शहरी भू-हदबन्दी अधिनियम 1976 की धारा 26(1) के अन्तर्गत अपर समाहर्त्ता धनबाद के ज्ञापांक-4152 दिनांक-8-9-05 के द्वारा बिक्री करने का अनापत्ति प्राप्त।

चुँकि बिक्रय-पत्र का बिबरण यह है कि मूझे संसारिक खर्च के लिए रूपये की अति आवश्यकता आ जाने से उक्त जमीन का समयोचित सर्वोच्च मूल्य-1,20,000/-रूपये धार्य कर आपलोगो को बिक्री कर सदा के लिए नि:स्वत्व हुए एंव आपलोगो को दखलकार किया तथा दखल दिया।

उपरोक्त जायदाद पर मेरा जिस प्रकार का हक-अख्तियार दावी-दावा आदि था आज तारिख से आपलोगो का हुआ आपलोग उक्त जमीन पर मकान आदि तैयार कर नीज वसवास या किराया बन्दोबस्त कर अपना ईच्छानुसार दान बिक्री आदि सर्वप्रकार के हस्तान्तरण का मालिक होकर बंश परम्परा से पूत्र-पौत्रादि एंव वारीसन के साथ सदा के लिए भोग दखल करते रहे इसमें हमलोग या हमारा वारीसन किसी प्रकार का वजुर या एतराज नही कर सकता है और करने पर भी वह कानुन के मुताबिक नामंजुर होगा।

उपरोक्त जायदाद का सलाना मालगुजारी मालिक जमींदार झारखण्ड सरकार को बराबर आदाय देकर आपलोग अपना नाम से दाखिल-खारीज करवा कर सलाना मालगुजारी का रसीद हासिल करेगें।

उपरोक्त जायदाद मेरा खास दखल में है कभी किसी प्रकार का हस्तान्तर आदि पाया जाय और उससे आपलोगो को या आपलोगो के वारीसन को क्षति पहुचे तो हम या हमारा वारीसन क्षतिपुरण का देनदार होगा या होगें।

अतः हम अपना स्थिर बुद्धि और सरल मन से बिचार कर मूल्य का पुरा रूपये पाकर एंव समझ-बुझकर यह बिक्रय-पत्र सम्पादन कर दिया कि समय पर काम आवें।

ईति अंग्रेजी सन् 2005 साल 11 नवम्बर।

प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एंव द्वितीयक प्रति एक दुसरे की हुबहु और सच्ची प्रति लिपि है।

11-11-05

1, नं0 ग्रहिता का छाया चित्र-

शैलेन्द्र प्रसाद

नाम गोपाल रक्षित

2, नं0 ग्रहिता का छाया चित्र-

Shailesh Prasad Singh.

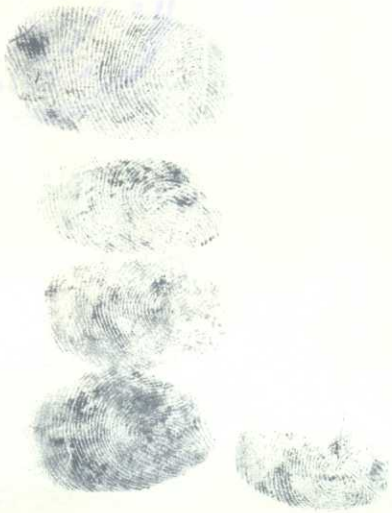

Shuvo... 11.11.05

प्रमाणित किया जाता है कि दाता के तरफ से आम-मोखतार एंव ग्रहितागण का छाया चित्र दस्तावेज मे लगा हैके बाये हाथ के अंगुलियो का निशान मेरे सामने लिया गया है, एंव दस्तावेज का प्रारूप बनाया एंव दोनो पक्षों को पढ़कर सुनाया एंव समझा दिया।

नारु गोपाल रक्षित
मो0 धनबाद
ना0 नं0 8/23

:-गवाहगण-:

दिनेश प्रसाद साव
पिता- श्री गरीब राम साव
सरायढेला धनबाद

Sapan Bhattacharjee

टंकक:-

विक्रेता :- सुजित कुमार लाला पिता स्वं० जामिनी भुषण लाला साकिम लुकि सर्कुलर रोड, थाना :- धनबाद, जिला - धनबाद।

आम मोक्तार :- शुभनाथ राय पिता स्वं० भोलानाथ राय साकिम सरायढेला, थाना :- सरायढेला, जिला :- धनबाद।

क्रेता :- (1) शैलेन्द्र प्रसाद राय (2) शैलेश प्रसाद सिंह साकिम कतरास, थाना :- कतरास, जिला :- धनबाद।

विवरण :- मौजा - आमाघाटा उर्फ सुगियाडिह, नं०-9, खाता नं० :- 07, प्लोट नं० :- 131, रकवा :- 6 कट्ठा।

चौहद्दी :- उत्तर :- श्रीमती मिनू शर्मा
दक्षिण :- ग्रामिण रास्ता
पुरब :- इसी प्लोट का अंश
पश्चिम :- 18'-0" प्रस्तावित रास्ता

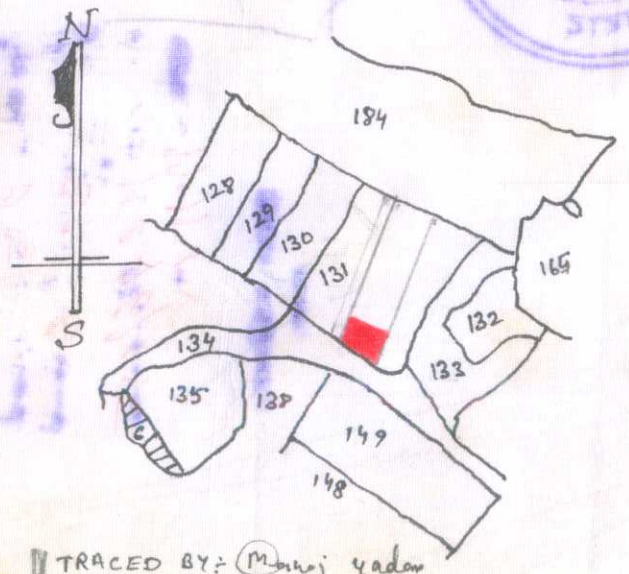

TRACED BY :- Manoj Yadav

जो लाल रंग से दर्शाया

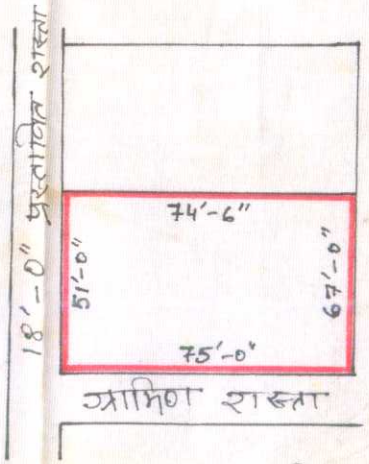

पैमाने पर नहीं